SHRI SEENI. VISWANATHAN

Shri Seeni. Viswanathan is a writer and research scholar. He is widely known in Tamil literary circle for his dedication for decades.

2. Born on 22nd November, 1934, Shri Viswanathan studied in Urumu Dhanalakshmi Vidhyalayam, Thiruchirapalli district and finished his S.S.L.C in the year 1953. He started his research on Shri Maha Kavi Bharathiyar's works and desired/decided to bring out the Mahakavi's works in chronological order and began this work in early 1960s. He joined as sub editor in "Sanga Palagai" a weekly Magazine published by Shri Chinna Annamalai, a well-known freedom Fighter.

3. Shri Viswanathan right from his school days got very much inspired by Mahakavi Bharathiar, compiled and published a book titled "Thamizagam Thantha Mahakavi" in the year 1962. This was during the commemoration of Mahakavi Bharathi's 81st Birthday by the Tamilnadu Government. This book was widely appreciated by learned scholars. He was fortunate enough to get appreciation from Shri C. ViswanathaIyer, younger brother of Mahakavi Bharathiyar. This exactly motivated him to continue to bring out only Mahakavi's writings and he made that as his life mission.

4. Shri Viswanathan single handedly compiled and published books that have enriched and expanded Bharati literature for about 63 years. Precisely to note his writings on Bharati are substantiated with facts in such a manner to know the broad scope of Bharatiyar, national unity and the zealous and selfless services of the national leaders. The accuracy in his compendium of Kala Varisaiyil Bharthi Padaippugal spanning about 15000 pages in 23 volumes - Bharathi's writings in chronological order is the source for today's generation of younger community researchers and aspirants. On 11th December 2024, the latest 5 volumes of the above 23 were released by Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi in New Delhi. Many in India and aboard have read and praised him for publishing the work of Bharati literature.

5. Shri Viswanathan is the recipient of numerous awards and honours such as Bharathi Award in the year 2004 by Tamilnadu Government, U.V. Swaminatha Iyer Award in 2005 by llakkiya Manram, Coimbatore, Bharathi Sevai Semmal in 2014 by Bharathiyar Sangam, Chennai, Swami Vivekananda Award of Human Excellence in 2014 by Ramakrishna Mission Vidyalaya, Coimbatore, Manonmaniam Sundaranar Award in 2014 by Manonmaniam Sundaranar University, Bharathi Kalanjiam Award in 2016 by Sriram Bharathi Kalaillakkia Kazhagam, Bharathi Award in 2016 by Bharathi Pasarai, Coimbatore, Potramarai Award in 2016 by Potramarai Kalaillakkiya Arangam, Vivekanandar Award in 2017 by Ramkrishna Mission Madurai, Mahakavi Bharathiyar Award in 2018 by Dinamani -Tamil News Paper, Life Time Achievement Award in 2019 by Brahma Gana Sabha, Bharathi Award in 2020 by Vanavil Cultural Centre, Bharathi Award in 2021 by Tamil Nadu Government.

श्री सीनि. विश्वनाथन

श्री सीनि. विश्वनाथन एक लेखक और शोध विद्वान हैं। तमिल साहित्य जगत में वे दशकों से अपने समर्पण के लिए जाने जाते हैं।

2. 22 नवंबर, 1934 को जन्मे, श्री विश्वनाथन ने तिरुचिरापल्ली जिले के उरुमू धनलक्ष्मी विद्यालयम में पढ़ाई की और वर्ष 1953 में एसएसएलसी की शिक्षा पूर्ण की। उन्होंने श्री महा कवि भरतियार की रचनाओं पर अपना शोध शुरू किया। उन्होंने महाकवि की रचनाओं को कालानुक्रमिक क्रम में प्रकाशित करने की इच्छाप्रकट की/निर्णय लिया और 1960 के दशक की शुरुआत में इस परकार्य शुरू किया। उन्होंने श्री चिन्नाअन्नामलाई, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक पत्रिका "संगा पलागई" में उप संपादक के रूप में कार्य किया।

3. श्री विश्वनाथन जो अपने स्कूल के दिनों से ही महाकवि भरतियार से बहुत प्रेरित थे, ने वर्ष 1962 में "थमिज़ागम थांथा महाकवि" नामक पुस्तक को संकलित और प्रकाशित किया। इसे तमिलनाडु सरकार द्वारा महाकवि भारती के 81 वें जन्मदिन के स्मरणोत्सव के दौरान प्रकाशित किया गया । इस पुस्तक को विद्वानों ने खूब सराहा। उन्हें महाकवि भरतियार के छोटे भाई, श्री सी. विश्वनाथअय्यर, से सराहना प्राप्त करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसी बात ने उन्हें केवल महाकवि की रचनाएँ प्रकाशित करने के लिए प्रेरित किया और उन्होंने इसे ही अपना जीवन का लक्ष्य बना लिया।

4. श्री विश्वनाथन ने लगभग 63 वर्षों तक अकेले ही पुस्तकों का संकलन और प्रकाशन किया, जिससे भारती साहित्य समृद्ध और विस्तृत हुआ। यह ध्यान देने योग्य बात है कि भारती पर उनके लेखन में तथ्यों की पुष्टि इस तरह से की गई है कि जिससे भरतियार के व्यापक कार्यक्षेत्र, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय नेताओं की उत्साही और निःस्वार्थ सेवाओं को जाना जा सके। 23 खंडों में लगभग 15000 पृष्ठों में फैले कला वरिसायिल भारती पदईपुगल – भारती के लेखनों के काल क्रमानुसार संकलन की सटीकता आज की युवा पीढ़ी के शोधकर्ताओं और आकांक्षियों के लिए स्रोत विषय है। 11 दिसंबर 2024 को,उपर्युक्त 23 में से नवीनतम 5 खंडों का विमोचन माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में किया। भारत और विदेश में कई लोगों ने इसे पढ़ा और भारती साहित्य के प्रकाशन के लिए उनकी प्रशंसा की है।

5. श्री विश्वनाथन को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं, जैसे वर्ष 2004 में तमिलनाडु सरकार द्वारा भारती पुरस्कार, इलकिया मनराम, कोयंबटूर द्वारा वर्ष 2005 में यू.वी. स्वामीनाथन अय्यर पुरस्कार, भरतियार संगम, चेन्नई द्वारा वर्ष 2014 में भारती सेवई सेम्मल पुरस्कार, रामकृष्ण मिशन विद्यालय, कोयंबटूर द्वारा वर्ष 2014 में स्वामी विवेकानंद मानव उत्कृष्टता पुरस्कार, मनोनमनियम सुन्दरनार विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2014 में मनोनमनियम सुन्दरनार पुरस्कार, श्रीराम भारती कलाई इलक्किया कज़गम द्वारा वर्ष 2016 में भारती कलंजियम पुरस्कार, भारती पासराई, कोयंबटूर द्वारा वर्ष 2016 में भारती पुरस्कार, पोटरामराय कलाई इलक्किया अरंगम द्वारा वर्ष 2016 में पोटरामराय पुरस्कार, रामकृष्ण मिशन मदुरई द्वारा वर्ष 2017 में विवेकानंदर पुरस्कार, दीनामणि – तमिल समाचार पत्र द्वारा वर्ष 2018 में महाकवि भरतियार पुरस्कार, ब्रह्म गण सभा द्वारा वर्ष 2019 में लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार, वनविल सांस्कृतिक केंद्र द्वारा वर्ष 2020 में भारती पुरस्कार, तमिलनाडु सरकार द्वारा वर्ष 2021 में भारती पुरस्कार।